दिल्ली पोस्टल पंजीकरण संख्या डीएल-एसडब्ल्यू-05/4100/18-20 यू (सी) 107/18-20 पूर्व शुल्क के बिना डाक में डालने की अनुमति आर.एन.आई. 28729/1976 दिल्ली आर.एम.एस., दिल्ली-110006 29.2/2.3.2020 (₹ 12) प्रकाशन तिथि : 22.2.2020

श्रीनगर, लेह, कालिमपोंग, इम्फाल, दीमापुर, अगरतला, दुलियाजॉन, करीमगंज, छाबुआ, दीफू, डिब्रूगढ़, तेजपुर, हेल्लाकांडी, मरियानी, जोरहाट, शिलांग, डिगबोई, सिल्चर तथा पोर्टब्लेयर के लिए विमान सेवा 20 पैसे अतिरिक्त

केंद्रीय मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर ने इंडिया/भारत 2020 का लोकार्पण किया

केन्द्रीय मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर ने 19 फरवरी 2020 को वार्षिक संदर्भ ग्रंथ इंडिया/ भारत 2020 का लोकार्पण किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह पुस्तक प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले लोगों सहित सभी के लिए सम्पूर्ण संदर्भ ग्रंथ है. उन्होंने इसके प्रकाशन के लिए प्रकाशन विभाग को बधाई दी. उन्होंने कहा कि यह संदर्भ ग्रंथ एक परम्परा बन गया है और प्रतिदिन लोकप्रिय हो रहा है.

श्री जावड़ेकर ने प्रकाशन का ई-संस्करण भी जारी किया. ई-संस्करण टैबलेट, कम्प्यूटरों, ई-रीडर्स तथा स्मार्ट फोन पर एक्सेस किया जा सकता है. ई-बुक तकनीकी रूप से श्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करती है और प्रिंट संस्करण की विश्वसनीय प्रतिकृति है. ई-इंडिया में पाठक अनुकूल कई विशेषताएं है, जैसे हाईपरलिंक, हाईलाइटिंग, बुकमार्किंग तथा इंटरएक्टिविटी.

इस पुस्तक का मूल्य 300 रुपये होगा और ई-बुक 225 रुपये में उपलब्ध होगी. यह पुस्तक 20 फरवरी 2020 से निम्नलिखित लिंक पर प्रकाशन प्रभाग की वेबसाइट से ऑनलाइन खरीदी जा सकती है. **https://www.publicationsdivision.nic.in/index.php?route=product/pbook**

पुस्तकें अमेजन और गूगल प्ले स्टोर से भी खरीदी जा सकती है.

कार्यक्रम में सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री रवि मित्तल तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया.

किताब के बारे में जानकारी

द रिफरेंस एनुअल - इंडिया/ भारत - 2020 में वर्ष के दौरान भारत और इसके विभिन्न सरकारी मंत्रालयों/ विभागों/संगठनों की गतिविधियों प्रगति और उपलब्धियों के बारे में विस्तृत और व्यापक जानकारी उपलब्ध है. यह संकलन का 64 वां संस्करण है. इंडिया/भारत 2020 को सूचना और प्रसारण मंत्रालय के प्रकाशन प्रभाग और न्यू मीडिया विंग द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित किया गया है. यह विशेष रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं के इच्छुक प्रतियोगियों के लिए एक बहुप्रतीक्षित वार्षिक प्रकाशन है. इस पुस्तक में ग्रामीण से शहरी, उद्योग से विज्ञान और प्रौद्योगिकी से मानव संसाधन विकास तक देश के विकास के सभी पहलुओं को शामिल किया गया है. यह संग्रह वर्ष के दौरान सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों तथा महत्वपूर्ण घटनाओं की झलक देता है. वर्षों के दौरान इसने शोधकर्ताओं, योजनाकारों, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों, मीडिया पेशेवरों में एक अच्छी जगह बनाने का गौरव हासिल किया है.

प्रकाशन विभाग राष्ट्रीय महत्व के विषयों, भारत की समृद्ध संस्कृति और साहित्यिक विरासत को दर्शाती पुस्तकों और पत्रिकाओं का संग्राहक है. 40 के दशक में अपनी स्थापना के बाद से प्रकाशन विभाग अंग्रेजी और हिन्दी के साथ-साथ सभी प्रमुख भारतीय भाषाओं में किफायती मूल्य पर पुस्तकों का प्रकाशन कर रहा है.

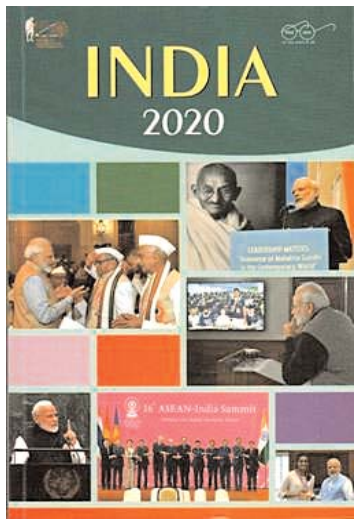

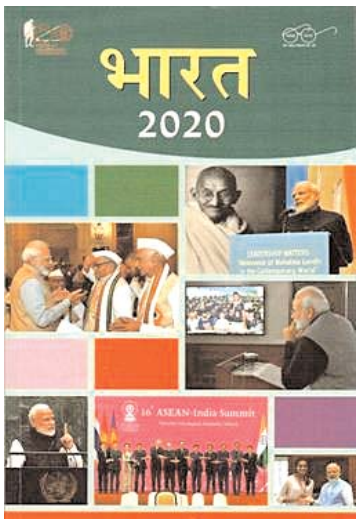

पिछले कुछ वर्षों में प्रकाशन विभाग ने साहित्य एवं साहित्यिक हस्तियों के साथ-साथ विभिन्न विषयों पर गुणवत्तापूर्ण पुस्तकों का प्रकाशन किया है. ऐसी पुस्तकें संग्रह में ताजगी लाने के अलावा इसे पठनीय और प्रासंगिकता की बाधाओं से मुक्त बनाती हैं.

प्रकाशन प्रभाग में 2000 से अधिक डिजिटल पुस्तकें हैं. वर्तमान में डिजिटल अभिलेखागार में 2185 से अधिक पुस्तकों का भंडार है. इनमें से 405 ई-पुस्तकों को अमेजन और गूगल प्ले जैसे विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से बिक्री के लिए रखा गया था. ई-पुस्तकों की 35,000 से अधिक प्रतियां बिक चुकी हैं. इसके अलावा डीपीडी ने विभिन्न ई-कॉमर्स वेबसाइटों पर पुस्तकों की संख्या बढ़ाते हुए 370 से अधिक कर डिजिटल प्रकाशन पर अपनी उपस्थिति का विस्तार किया.

-पसूका